बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 1

सोमवार, तिथि 29 फाल्गुन, 1938 (श.) / 20 मार्च, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 12

1.	कृषि विभाग	-	-	06
2.	ग्रामीण कार्य विभाग	-	-	05
3.	पंचायती राज विभाग	-	-	01
			कुल योग –	12

किसानों को मुआवजा कबतक

अ- 57. श्री नीरज कुमार : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिले के दनियावां प्रखंड के चकरजा एवं जीवनचक गांव के 08 किसानों के 12 बीघे में लगी धान की फसल 90 प्रतिशत खखरी हो गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त गांव के किसानों ने वायेर एराइज नैनो हाइब्रिड का धान किसान ने बोया था, जो कि सरकारी बीज है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी जांच कराकर इन गरीब किसानों को मुआवजा देना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

संवेदक पर कार्रवाई

136. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलांतर्गत छौड़ादानों प्रखंड के पी.डब्ल्यू.डी. पथ, बेला से बथुअहिया जिसमें जीतपुर से बथुअहिया मुख्य मंत्री ग्रामीण सम्पर्क योजना (विश्व बैंक संपोषित) मरम्मती का कार्य प्रमंडल रक्सौल द्वारा कराया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि जीतपुर से बथुअहिया पथ में मरम्मती का कार्यप्राक्कलन के अनुरूप नहीं किया जा रहा है, जी.एस.बी. में लोकल बालू के स्थान पर मिट्टी का व्यवहार किया जा रहा है, साथ ही पत्थर का आकार एवं गुणवत्ता ठीक नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि मरम्मती कार्य 2014-15 में ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल एवं रक्सौल द्वारा कराया गया था, जिसका मेंटेनेंस 5 वर्षों तक करना है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त पथ के मरम्मती कार्य करने हेतु मिट्टी एवं गिट्टी को उच्च विद्यालय, जीतपुर छौड़ादानों के प्रांगण में एकत्रित किया गया है जिससे छात्र फुटबॉल एवं क्रिकेट नहीं खेल पा रहे हैं, जो छात्रों एवं विद्यालय के साथ खिलवाड़ है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त मरम्मती का कार्य करने वाले संवेदक के विरुद्ध जो प्राक्कलन के विरुद्ध तथा छात्रों एवं विद्यालय के भविष्य के पठन-पाठन तथा खेलकूद को प्रभावित करते हैं, पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अ – दिनांक 6 मार्च, 2017 से स्थगित।

पुल निर्माण नहीं

137. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के गुरुआ प्रखंड अंतर्गत ग्राम-दाहुवरमा टोला, लालगढ़ के पास मोरहन नदी में पुल नहीं रहने से स्थानीय ग्रामीणों को गुरुआ आने-जाने में काफी परेशानी होती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जनहित में ग्राम-दाहुवरमा टोला, लालगढ़ के पास मोरहर नदी में पुल का निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

मिनी लैब स्थापित नहीं

138. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में अभी मिट्टी जांच की रफ्तार बहुत धीमी है;

(ख) क्या यह सही है कि दिसम्बर, 2012 से 19 सितम्बर, 2016 तक मिट्टी जांच के 341001 नमूनों की जांच कर 1771447 स्वायल हेल्थ कार्ड किसानों को दिया गया है, लेकिन लैब स्थापित नहीं किये जाने से राज्य के किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक-एक मिनी लैब स्थापित करने की योजना बनाने एवं किसानों के खेतों की मिट्टी जांच की रफ्तार तेज करने का विचार रखती है, ताकि किसानों को इसका लाभ मिले?

सड़क निर्माण नहीं

139. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के नगर प्रखंड के कंडी पंचायत स्थित कृतिढाबा के सामने समदा पथ हबीपुर, गोविन्दपुर, दाराचक, अगरैली, कोरमा, छतुबाद, चन्ना, चमंडी, शेरपुर, शहवाजपुर, बलना आदि गांवों को जोड़ने वाली सड़क कच्ची हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ का पी.सी.सी. करण नहीं होने से ग्रामीण कीचड़युक्त रास्ते से जाने के लिए मजबूर हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' में वर्णित सड़क का निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

जर्जर सड़क का निर्माण

140. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत हायाघाट अनुमण्डल के सहोड़ा गांव से माखनपुर जाने वाली मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क में जगह-जगह गड्ढा हो जाने के कारण लोगों का चलना दुश्वार हो गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरभंगा जिलान्तर्गत हायाघाट अनुमण्डल के सहोड़ा गांव में माखनपुर जाने वाली मुख्य जर्जर सड़क को यथाशीघ्र बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

वैकल्पिक प्रस्ताव नहीं

141. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत मोकामा नगर परिषद् में कृषि उत्पादन बाजार समिति का एक विशाल प्रांगण है, जिसका उपयोग नहीं होने से यह जर्जर स्थिति में है;

(ख) क्या यह सही है कि इस बाजार समिति के आधारभूत संरचना के उपयोग के लिए सरकार कोई वैकल्पिक प्रस्ताव पर विचार कर रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सदन को उन वैकल्पिक प्रस्ताव से अवगत कराना चाहती है, यदि हां तो क्यों?

व्यवसायियों पर कार्रवाई नहीं

142. **श्री सूरज नन्दन प्रसाद** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा विधिक माप विज्ञान प्रवर्त्तन नियमावली को 01.04.2014 से बिहार में लागू किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित नियमावली में प्रावधानों के तहत अप्रैल, 2016 से 31 दिसंबर, 2016 के बीच राज्य के 38 जिलों में विभागीय पदाधिकारियों एवं निरीक्षकों द्वारा 21844 दुकानों का निरीक्षण कर 12221 व्यवसायियों को नोटिस दिया गया लेकिन जब्ती की कार्रवाई केवल 75 मामलों में ही हुई एवं शेष पर मामला विचाराधीन है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार द्वारा खंड 'ख' में वर्णित नोटिस जारी किये गये शेष व्यवसायियों के विरुद्ध अबतक कार्रवाई नहीं किये जाने का क्या औचित्य है?

उत्पादन कबतक

143. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया शहर के अनुमंडल मुख्यालय में शेरघाटी-चेरकी मार्ग पर प्रखंड कार्यालय के समीप 14.24 करोड़ रुपये की लागत से सीड प्रोसेसिंग यूनिट बनकर तैयार है एवं अप्रैल 2016 में ही इस यूनिट से बीज का उत्पादन शुरू किया जाना था, लेकिन अबतक उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त प्लांट में उत्पादन शुरू होने से धान, गेहूं, दलहन एवं तेलहन के बीज मगध क्षेत्र के किसानों को बाहर से नहीं खरीदना पड़ता;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गया जिले उक्त प्लांट में बीज का उत्पादन शुरू कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पुल निर्माण नहीं

144. **श्री दुन जी पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिलान्तर्गत दरौली प्रखंड के महुआ से नरौली तक जाने वाली कच्ची सड़क पर स्थित नाला पर पुल नहीं रहने से दर्जनों गांवों से बरसात के दिनों में संपर्क टूट जाता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जनहित में खंड 'क' पर अंकित नाला पर पुल निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

स्वेच्छा से राशि खर्च

145. **श्री दिनेश प्रसाद सिंह** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पंचम राज्य वित्त आयोग द्वारा जिला परिषदों को करोड़ों की राशि अनुदान के रूप में दी गयी है, जिसका व्यय क्षमतावर्द्धन यथा-मैनपावर, प्रशिक्षण, ई-गवर्नेन्स, कार्यालय की जगह इत्यादि मद में होना है;

(ख) क्या यह सही है कि जिन जिला परिषदों का कार्यालय वगैरह सुदृढ़ है, वहां राशि खर्च नहीं हो पाएगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि ऊपर वर्णित मैनपावर से क्या तात्पर्य है तथा उक्त राशि का जिला परिषद् द्वारा आवासीय भवन एवं कार्यालय के फर्नीचर आदि क्रय करने का स्वेच्छा अनुसार खर्च करने का निर्णय ले सकती है अथवा नहीं?

अधिक दाम निर्धारित

146. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के किसानों को अनुदानित कृषि यंत्र की कीमत बाजार में मिल रहे दाम से काफी अधिक है, यदि हां तो क्या सरकार सेम्पल के रूप में मधुबनी जिला में पिछले दो वर्षों में कृषकों को प्राप्त कराये गये अनुदानित कृषि यंत्र की जांच कराकर अधिक दाम निर्धारित करने वाले कर्मियों को दंडित करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 20 मार्च, 2017